विशेषज्ञों ने दी राय, भागलपुर में स्मार्ट सिटी के लिए कैसी हों सड़कें

कार्यशाला

भागलपुर | कार्यालय संवाददाता

इंजीनियरिंग कॉलेज में सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में स्मार्ट सिटी की परिकल्पना पर विशेषज्ञों ने राय रखी। उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी में किस तरह बेहतर और सुरक्षित सड़क बनाकर दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

आईआईटी दिल्ली के सिविल विभाग की गीतम तिवारी ने बताया कि भागलपुर जैसे शहर में एनएमटी यानी नॉन मोटरलाइज ट्रैफिक की जरूरत है। यहां ऐसी सड़क बनायी जाए, जो चलने

हो। उन्होंने सड़क की डिजाइन में जेब्रा क्रासिंग और गोलचक्कर बनाने पर भी जोर दिया।

दो दिनों तक चलने वाली कार्यशाला के पहले दिन प्रमंडलीय आयुक्त आरएल चोंग्थू, सदर एसडीओ कुमार अनुज, प्राचार्य डॉ. निर्मल कुमार, डिप्टी मेयर डॉ. प्रीति शेखर, दिल्ली आईआईटी से आए डॉ. नीरज झा, डॉ. दिनेश मोहन, बीआईटी मेसरा के पूर्व कुलपति डॉ. जनार्दन झा ने भी अपने विचार रखे। प्रमंडलीय आयुक्त ने विशेषज्ञों से अपील की कि वे सुरक्षित सड़क को लेकर सरकार के पास अपनी योजना जरूर भेजें। वहीं, इंजीनियरिंग के छात्रों ने सड़क सुरक्षा के तहत नुक्कड़ नाटक आयोजित कर

ये राय सामने आए

- सड़क पर फुटपाथ हो। कम से कम व्हीकल का इस्तेमाल हो।
- जेब्रा क्रासिंग का निर्माण थोड़ा ऊंचा हो, ताकि गति कम रहे।
- खुला चौराहे कम से कम हों। चौराहों पर गोलचक्कर हो।
- लोग ट्रैफिक नियम का पालन करें। मनमानी पर रोक लगे।
- ओवरटेकिंग पर रोक लगे और ट्रैफिक संचालन पर नजर रखें।
- एंबुलेंस व इमरजेंसी गाड़ियों के लिए बेहतर व्यवस्था हो।
- ऐसी व्यवस्था हो कि सड़क किनारे जलजमाव न हो।

भास्कर विशेष शहर की सबसे बड़ी समस्या पर दैनिक भास्कर के साथ जाने-माने ट्रैफिक एक्सपर्ट्स ने जीरोमाइल से एनएच-80 होकर कचहरी चौक, घंटाघर, आदमपुर होते हुए तिलकामांझी चौक का लिया जायजा

प्लानिंग से काम हो तो ट्रैफिक भी हो जाएगा स्मार्ट

मदन | भागलपुर

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए बस थोड़ी सी प्लानिंग की जरूरत है। यह मानना है इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), दिल्ली के वरिष्ठ प्रोफेसरों का। इन प्रोफेसरों ने सड़क सुरक्षा व यातायात पर विशेष काम किया है। भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में स्मार्ट सिटी के संदर्भ में सड़क सुरक्षा पर राष्ट्रीय स्तर की दो दिवसीय कार्यशाला में ये विशेषज्ञ शिरकत करने आए हैं। इस दौरान दैनिक भास्कर के साथ विशेषज्ञ इंजीनियरों की टीम ने शहर के जीरो माइल चौक से एनएच-80 होते हुए घंटाघर और फिर आदमपुर से कचहरी चौक होते हुए तिलकामांझी का जायजा लिया। इसके बाद टीम के सदस्यों ने कहा कि यहां यातायात को लेकर अब तक की कोई प्लानिंग नजर नहीं आती है। सड़क निर्माण में भी सुलभ व सरल यातायात का ध्यान नहीं रखा गया है। यहां तक कि कुछ जगहों पर फुटपाथ का निर्माण भी बिना प्लानिंग के किया गया है। ऐसा नहीं है कि जगह की कमी है, केवल थोड़ी सी प्लानिंग की जरूरत है। साथ ही शहर को स्मार्ट बनाने के लिए नगर निगम को सबसे पहले ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करना होगा। इसके लिए कंसल्टेंसी से शहर की सभी सड़कों की अलग-अलग प्लानिंग करवानी चाहिये। मसलन, नेशनल हाईवे, पीडब्ल्यूडी की सड़क और निगम की सड़कें। इसके बाद उन सड़कों को व्यवस्थित करने के लिए डिजाइन तैयार कर उस दिशा में काम करे, तभी शहर स्मार्ट बन सकेगा।

तिलकामांझी चौक पर सोमवार की शाम शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार की संभावनाओं को लेकर विचार-विमर्श करते आईआईटी दिल्ली के शिक्षक एवं रोड सेफ्टी एक्सपर्ट प्रो. गीतम तिवारी और प्रो. गिरीश अग्रवाल।

घंटाघर चौक पर सोमवार को भागलपुर की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार को लेकर मंथन करते आईआईटी दिल्ली के शिक्षक प्रो. दिनेश मोहन। साथ में भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य निर्मल कुमार।

विशेषज्ञों की राय

- चौक-चौराहों पर गाड़ी खड़ी करने और वेंडर की वजह से सड़कें संकरी हो गई हैं।
- नगर निगम कंसल्टेंसी के साथ सड़क का सर्वे करे फिर डिजाइन और इसके बाद हो काम।
- अलग-अलग सड़कों मसलन एनएच पीडब्ल्यूडी और नगर निगम की सड़कों की भी अलग हो प्लानिंग।

केवल सड़क किनारे से कूड़े के ढेर हट जाएं तो बन जाएगी टेम्पो स्टैंड की जगह

भागलपुर | विशेषज्ञों की टीम ने शहर के चौक-चौराहे का जायजा लेने के दौरान कहा कि जीरोमाइल से कचहरी चौक तक एनएच किनारे काफी जगह है, जो बेकार पड़ी है। इसका उपयोग टेम्पो स्टैंड और फुटपाथ के रूप में किया जा सकता है। साथ ही यहां वेंडर के लिए भी जगह निकल जाएगी।

टीम ने कहा कि अभी की स्थिति देखकर लगता है कि सड़क पर यातायात व्यवस्था सुगम करने के लिए कभी सही ढंग से प्लानिंग नहीं की गई है। सही दिशा में प्लानिंग करने की जरूरत है। एक्सपर्ट्स ने जगह-जगह कूड़े के ढेर देखकर हैरानी जाहिर की। उनलोगों ने कहा कि अगर उन जगहों से केवल कूड़े के ढेर हटा दिए जाएं तो वहां बढ़िया टेम्पो स्टैंड बन सकता है। इस दिशा में नगर निगम को काम करने की जरूरत है। साथ ही जीरोमाइल से कचहरी चौक के बीच एनएच पर टेम्पो, रिक्शा और बड़े वाहनों के लिए अलग लेन की जरूरत है। बीच में चारपहिया वाहनों, उसके बाद किनारे टेम्पो व रिक्शा की लाइन और सबसे बाद में पैदल चलनेवालों के लिए फुटपाथ का निर्माण कराया जा सकता है। इसकी पूरी संभावना है। इससे ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु हो जाएगी। टीम के सदस्यों ने बताया कि यहां पैदल चलनेवालों के लिए कोई जगह ही नहीं है। सड़क पर ही गाड़ियां खड़ी करने के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है।

ये हैं आईआईटी के ट्रैफिक एक्सपर्ट्स

प्रो. दिनेश मोहन

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग केंद्र, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर हैं। इससे पहले वह ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च एंड इंज्यूरी बचाव प्रोग्राम के को-ऑर्डिनेटर व डब्ल्यूएचओ कोलैबरेटिंग सेंटर फॉर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इन सेफ्टी के हेड भी रह चुके हैं। दिनेश मोहन देश-विदेश में ट्रैफिक पर व्याख्यान देते रहे हैं।

प्रो. गीतम तिवारी

आईआईटी, दिल्ली की प्रोफेसर हैं। वे यातायात प्लानिंग, ट्रैफिक इंजीनियरिंग और ट्रांसपोर्ट इकोनोमिक्स व फाइनांस पढ़ाती रही हैं। कई छात्रों की गाइड हैं, जो इनके निर्देशन में ट्रांसपोर्ट प्लानिंग, सेफ्टी पर काम कर रहे हैं। इनका कई रिसर्च पेपर भी प्रकाशित हो चुका है।

डॉ. कुमार नीरज झा

आईआईटी, दिल्ली के सिविल डिपार्टमेंट में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। इनका अब तक 50 से अधिक जर्नल देश व विदेश में प्रकाशित हो चुके हैं। इनके मार्गदर्शन में दो पीएचडी और 50 से अधिक छात्र एमटेक कर चुके हैं।

प्रो. गिरीश अग्रवाल

यूपी के शिवनादर यूनिवर्सिटी के स्ट्रेटजी एंड प्लानिंग, सिविल डिपार्टमेंट के प्रोफेसर हैं। देश-विदेश के कई तकनीकी कॉलेजों में पढ़ा चुके हैं। आईआईटी दिल्ली के विजिटिंग प्रोफेसर रहे हैं। 1993-2012 तक यूएस के लॉस एंजिल्स और सेन फ्रांसिस्को में कंसल्टिंग इंजीनियर भी रहे हैं।

जीरोमाइल से कचहरी चौक तक एनएच के किनारे काफी जगह, उसके उपयोग की जरूरत है।

घंटाघर चौक

सर्किल डायरेक्शन में हो रूट : घंटाघर चौक पर जाम न लगे, इसके लिए आदमपुर और मशाकचक की ओर से आनेवाली गाड़ियां एक सर्किल में आए। पटल बाबू रोड की तरफ से आनेवाली गाड़ियां घंटाघर के टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज से होकर गुजरे। वहां वन-वे हो। जबकि दूसरी तरफ से गाड़ियां निकले। इसके लिए वहां तीरवाला दिशा सूचक बोर्ड लगा दिया जाए।

कचहरी चौक

बढ़िया गोल चक्कर बना दिया जाए : कचहरी और घूरन पीर बाबा चौक पर बने पुलिस पोस्ट बेकार हैं। इससे ट्रैफिक व्यवस्था में रुकावट पैदा होगी। वहां उसे हटाकर बढ़िया गोल चक्कर पेंट कर दिया जाए, ताकि वहां गाड़ियों को खड़ी करने की जगह हो और जेब्रा क्रॉसिंग भी बने। वहां भी नगर निगम चाहे तो चौक से थोड़ा हटकर फुटपाथ का निर्माण हो सकता है, जहां रिक्शा व टेम्पो का पड़ाव बन जाएगा।

तिलकामांझी चौक

सड़क टू-लेन हो, चौक से 30 मीटर दूर बने फुटपाथ : विशेषज्ञों ने कहा कि एनएच के किनारे काफी जगह है। इसलिए सड़क को टू-लेन किया जा सकता है। साथ ही चौक की सड़क पर टेम्पो रिक्शा और अन्य गाड़ियां खड़ी करने की जगह, उसके लिए पुलिस लाइन की तरफ बढ़ने पर चौक से 30 मीटर दूर हटकर एनएच के किनारे टेम्पो पड़ाव बने और फुटपाथ बन जाए, ताकि वहां वेंडर भी अपने सामान की बिक्री कर सके। खरीदारों को भी इससे राहत होगी।

- मुख्य चौक-चौराहे से 30 मीटर दूर टेम्पो व रिक्शा स्टैंड बनाए जाएं।
- हर चौक-चौराहे पर गोल चक्कर बनाया जाए, वहां गाड़ी खड़ी करने की हो जगह।
- सड़क किनारे डेढ़-डेढ़ मीटर का फुटपाथ बने, पैदल चलनेवालों को मिलेगी राहत।

जीरोमाइल चौक

फ्लाईओवर के नीचे बने बस स्टैंड : विशेषज्ञ इंजीनियरों की टीम ने जीरो माइल चौक का सघन निरीक्षण किया। इसके बाद कहा कि यहां सड़क किनारे काफी जगह है। इसलिए मुख्य सड़क को छोड़कर तीन मीटर दूर सबौर की तरफ एनएच किनारे रिक्शा स्टैंड बना दिया जाए। चौक पर जेब्रा क्रासिंग और डायरेक्शन एरो हो, ताकि राहगीरों को पता चले कि उन्हें किधर से गुजरना है। वहां बस भी सड़क पर खड़ी रहती है। इसलिए विक्रमशिला सेतु की तरफ आगे बढ़ने पर सड़क के किनारे की जगह पर स्टैंड बना दिया जाए। आगे जब बाइपास के तहत फ्लाईओवर का निर्माण हो तो उसके नीचे बस स्टैंड बना दिया जाए तो ट्रैफिक व्यवस्थित हो जाएगा। इसके लिए एनएच और नगर निगम दोनों को मिलकर प्लानिंग करनी चाहिए।

ग्राफिक्स : मुकेश झा

मंथन का निष्कर्ष इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित सेमिनार की 10 दिन में कमिश्नर को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

गाड़ियों में लग जाएं सेंसर तो ट्रैफिक स्मूथ

- सेंसर से गाड़ी को पता चलेगा कहां जाम है और कहां नहीं
- टेक्नोलॉजी के उपयोग से सुधरेगी ट्रैफिक व्यवस्था

एजुकेशन रिपोर्टर | भागलपुर

भागलपुर को स्मार्ट बनाने में भागलपुर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (बीसीई) प्रशासन की मदद करेगा। इसके लिए 26-27 जून को बीसीई में आयोजित सेमिनार में रोड सेफ्टी पर हुए मंथन की एक रिपोर्ट अगले 10 दिन में कमिश्नर आरएल चौंग्थू को सौंपी जाएगी। रिपोर्ट में शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पर बात होगी। इसमें देश के ट्रैफिक और रोड सेफ्टी एक्सपर्ट के सुझाव भी होंगे।

प्राचार्य निर्मल कुमार ने बताया कि मूलभूत सुविधाओं में टेक्नोलॉजी के उपयोग से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर किया जा सकता है। इसके अलावा भी उन्होंने ऐसी कई बिंदुओं पर चर्चा की, जिससे आने वाले समय में शहर में सुचारू ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि गाड़ियों में अगर जीपीएस के साथ सेंसर लगे तो ट्रैफिक को स्मूथ किया जा सकता है। इससे गाड़ी खुद ही डिटेक्ट करेगी कि जाम कहां है और कहां से उसे अपना रूट बदल लेना चाहिए। अब जब गाड़ियां इतनी ज्यादा एडवांस हो जाएंगी तो इंफ्रास्ट्रक्चर भी उसके मुताबिक होना चाहिए। अगर सभी गाड़ियों में सेंसर रहे तो ट्रैफिक स्मूथ हो सकता है।

लोगों को करना होगा जागरूक

निर्मल कुमार ने बताया कि शहरवासियों के लिए इक्विलिटी प्रोग्राम की शुरुआत करनी होगी। इसके जरिए लोगों को ट्रैफिक के प्रति जागरूक करना होगा। उन्हें समझाना होगा कि ट्रैफिक के नियम क्या हैं और किस तरह ये आम लोगों की सुरक्षा और सुविधा के लिए बनाए गए हैं।

टेक्नोलॉजी के जरिए हो ट्रैफिक प्लानिंग

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था तभी स्मार्ट होगी, जब हम ट्रैफिक की मॉनिटरिंग स्मार्ट तरीके से करेंगे। उन्होंने बताया कि इंफार्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी प्लेटफार्म (आईसीटी) के जरिए ही ट्रैफिक को कंट्रोल किया जा सकेगा। यहां इंजीनियर्स, लीगल प्रोफेशनल्स और पुलिस की टीम मौजूद होगी। इसके लिए शहर के सभी मुख्य मार्गों पर सीसीटीवी कैमरा और सेंसर लगाने होंगे। जैसे ही कोई भी गाड़ी ट्रैफिक नियमों को तोड़ेगी। इसकी सीधी जानकारी आईसीटी प्लेटफार्म पर मिल जाएगी। यहां से ही फाइन तय किया जाएगा और सालाना टैक्स में इसको जोड़ दिया जाएगा। इससे भ्रष्टाचार में भी कमी आएगी।

जागरूकता | रोड सेफ्टी पर राष्ट्रीय सेमिनार की रिपोर्ट कमिश्नर को सौंपेगा इंजीनियरिंग कॉलेज

पैदल चलनेवाले लोगों के लिए फुटपाथ मुहैया कराना नगर निगम का दायित्व

डॉ. गिरीश अग्रवाल ने कहा फुटपाथ खाली नहीं मिलने पर केस कर सकते हैं निगम पर केस

लोगों के एटीट्यूड पर एक्सपर्ट ने उठाया सवाल

स्मार्ट सिटी के प्रोपोजल में विदेशी फोटो का क्या मकसद

इंजीनियरिंग कॉलेज | आईआईटी के रोड सेफ्टी एक्सपर्ट ने ट्रैफिक पर दिए सुझाव

सड़क पर न रहे बिजली के पोल, बिना मोटर वाले वाहन के लिए अलग हो लेन

स्मार्ट ट्रैफिक व्यवस्था के लिए शहर की हकीकत से होना होगा रू-ब-रू

पब्लिक ट्रांसपोर्ट और पार्किंग हो प्राथमिकता में शामिल

आओ बनाएं स्मार्ट शहर | शहर में पार्किंग के लिए अलग से हो व्यवस्था

स्पीड कंट्रोल करने के लिए बने विशेष सड़क

इंजीनियरिंग कॉलेज बनाएगा साइकिल मास्टर प्लान

पत्नी ने कहा- हेलमेट पहनो, इसे खोलने के चंद मिनट बाद ही मौत हो गई

छात्रों ने नाटक के जरिए समझाई सड़क सुरक्षा की बातें

ग्रामीण इलाकों में बेहतर ट्रैफिक की सलाह दें छात्र

इंजीनियरिंग कॉलेज ● स्मार्ट सिटी रोड सेफ्टी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू, बोले प्रमंडलीय आयुक्त

स्मार्ट यातायात के लिए सबकी सहभागिता जरूरी

संवाददाता ▸ भागलपुर

भागलपुर स्मार्ट सिटी के लिए स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट व्हीकल एंड स्मार्ट लोगों का होना आवश्यक है. इसके लिए सभी लोगों की सहभागिता जरूरी है. उक्त बातें रविवार को इंजीनियरिंग कॉलेज में भागलपुर स्मार्ट सिटी रोड सेफ्टी और मैनेजमेंट विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रमंडलीय आयुक्त आरएल चोंग्थू ने कही. उन्होंने कार्यशाला आयोजित करने के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज परिवार व इसमें भाग लेने के लिए दिल्ली आइआइटी से आये विशेषज्ञों को धन्यवाद दिया.

इंजीनियरिंग कॉलेज में रोड सेफ्टी पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का रविवार को प्रमंडलीय आयुक्त, आइआइटी दिल्ली के प्रो नीरज झा, प्रो दिनेश मोहन, प्रो डॉ अग्रवाल, प्रो तिवारी, प्रो डॉ जनार्दन झा, प्राचार्य डॉ निर्मल कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गान गा कर अतिथियों का स्वागत किया. कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक का मंचन किया. मौके पर कॉलेज के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे.

भागलपुर को स्मार्ट सिटी बनाने में सबकी सहभागिता जरूरी : कमिश्नर

उद्घाटन करते प्रमंडलीय आयुक्त आरएल चोंग्थू सहित अन्य. ■ फोटो। प्रभात खबर

कार्यक्रम में लघु नाटिका प्रस्तुत करते कॉलेज के विद्यार्थी. ■ फोटो। प्रभात खबर

रोड सेफ्टी पर सभी को सोचना होगा

कार्यक्रम में सदर अनुमंडलाधिकारी कुमार अनुज ने कहा कि भागलपुर स्मार्ट सिटी एक कल्पना सा प्रतीत होता है. वर्तमान में भागलपुर में घोरघट पुल, मसादू पुल, चंपापुल, भैना पुल, विक्रमशिला पुल आदि की हालत खराब है. यहां सड़कों पर अतिक्रमण है. स्मार्ट सिटी में रोड सेफ्टी एक महत्वपूर्ण विषय है. इस पर सभी को गंभीरता पूर्वक सोचना होगा.

स्मार्ट रोड, वाहन व लोग जरूरी

इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ निर्मल कुमार ने कहा कि स्मार्ट सिटी में रोड कैसा हो, किस तरह का हाइवे व ब्रिज का निर्माण हो और रोड सेफ्टी की क्या व्यवस्था हो इस पर विचार किया जायेगा. रोड सेफ्टी के लिए स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट टेक्नोलॉजी और स्मार्ट व्हीकल का होना जरूरी है.

ड्राइविंग के साथ ड्रिंक्स को नहीं मिलावे

डॉ कुमार नीरज झा ने बताया कि स्मार्ट सिटी में रोड सेफ्टी के लिए ड्राइविंग के साथ ड्रिंकिंग को नहीं मिलाना चाहिए. आम लोगों को रोड सेफ्टी के सिद्धांत व कानूनी प्रावधानों की जानकारी होना चाहिए.

रोड सेफ्टी संस्थान बनाने की जरूरत

बीआइटी बेसरा के पूर्व वीसी डॉ जनार्द्धन झा ने बताया भारत में सबसे अधिक जान माल की क्षति सड़क हादसे से होती है. यहां हिट एंड रन के कारण 40 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं होती है. इसे कैसे रोका जाये इस पर विचार करने की जरूरत है.

नहीं होती है फोरेंसिक जांच

डॉ अग्रवाल ने कहा कि अधिकतर रोड एक्सीडेंट में दोनों पक्षों के बीच पुलिस समझौता करा कर मामला रफा दफा कर देती है. वह नहीं देखती कि कैसे एक्सीडेंट हुआ. रोड एक्सीडेंट होने पर फोरेंसिक जांच नहीं होती है. इससे एक्सीडेंट के कारणों का पता नहीं चल पाता है.

रोड सेफ्टी के कॉमन सेंस की जरूरत

प्रो दिनेश मोहन ने कहा कि दुनिया के 180-190 देशों में से मात्र 30-40 देशों ने रोड एक्सीडेंट का रिस्क कम किया है. अभी भी 150 देशों में रोड सेफ्टी का रिस्क बरकरार है. लोगों में कॉमन सेंस विकसित करने की जरूरत है.

जागरूकता अभियान जरूरी

डॉ अजीत सहाय ने कहा कि रोड सेफ्टी के बिना स्मार्ट सिटी का सपना अधूरा होगा. इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है.

सुझाव पर निगम करेगा विचार

उपमहापौर प्रीति शेखर ने कहा कि स्मार्ट सिटी के लिए रोड सेफ्टी अति आवश्यक है. इसके लिए आपका जो सुझाव मिलेगा, उस पर नगर निगम विचार करेगा.

मानवता का हो गया अंत

इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने कार्यशाला में रोड सेफ्टी पर शानदार नुक्कड़ नाटक का मंचन किया. छात्र-छात्राओं से आज के हालात की झांकी दिखायी. कैसे लोग सड़क पर मोबाइल से बातचीत करते हुए एक्सीडेंट करते हैं और किस तरह लोग पीड़ित को मरने के लिए छोड़ देते हैं. नेता, पुलिस प्रशासन व आम लोग किस तरह रोड एक्सीडेंट को नजर अंदाज कर चलते हैं.

प्रभात खबर Mon, 27 June 2016
epaper.prabhatkhabar.com/c/11288157